एक बार आजा खाटू | By Akash Bhanu

एक बार आजा खाटू क्यूँ सोच कर रहा है
खाटू की इस धरा पर मेरा श्याम बस रहा है
एक बार आजा खाटू.....

बिगड़ी बनाता सबकी ये झोली भर रहा है
मुराद पूरी सबकी मेरा श्याम कर रहा है
भक्तों की ये कन्हैया हर बात सुन रहा है
खाटू की इस धरा पर मेरा श्याम बस रहा है
एक बार आजा खाटू.....

कहती हैं दुनिया इसको हारे का है सहारा
ये दौड़ा आता पल में जिसने इसे पुकारा
भक्तों पे ये खुशी की बरसात कर रहा है
खाटू की इस धरा पर मेरा श्याम बस रहा है
एक बार आजा खाटू.....

इतना मुझे बता दो संसार के रचैया
कश्ती भवँर पड़ी है पतवार ना खिवैया
विष्णु कन्हैया तेरा गुणगान कर रहा है
खाटू की इस धरा पर मेरा श्याम बस रहा है
एक बार आजा खाटू.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-by/